दैनिक बिहार पत्रिका

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, सोमवार, 26 फरवरी,2024 | पटना से प्रकाशित | संपादक - कृष्णा टेकड़ीवाल | मूल्य- ₹ 01 | पेज- 02 | वर्ष 04 | dainikbiharpatrika.com

दैनिक बिहार पत्रिका में खबर प्रकाशित करवाने एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें - 9801716267

सुविचार

"सिर्फ डरपोक और शक्तिहीन व्यक्ति ही भाग्य के पीछे चलता है।"

घूस मांगकर बुरा फंसे दारोगा, खुद जा रहे जेल

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बिहार। शराबबंदी वाले नीतीश कुमार के बिहार में पुलिस रिश्वत में दारू और मुर्गा का डिमांड करती है। जिसके कंधों पर शराब पर रोक लगाने की बड़ी जिम्मेदारी है। सारण जिले से एक ऐसा ही मामला सामने आया है। एक केस से नाम हटाने के लिए अभियुक्त से शराब मुर्गा और 25000 नगद मांगने पर दारोगा बुरे फंस गए। एसपी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया है तथा प्राथमिक दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू हो गई है। मामले में एक अन्य दारोगा पर भी कार्रवाई की जा रही है। सारण एसपी गौरव मंगला ने इसकी पुष्टि की है। एसपी के इस एक्शन से पुलिस डिपार्टमेंट में हड़कंप मचा है। यह अनोखा मामला भगवान बाजार थाना से जुड़ा है। एक आपराधिक वारदात के अनुसंधानकर्ता दारोगा ऋषि मुनी राम पर यह आरोप लगाया गया है। दारोगा ने आरोपी से फोन पर घूस की मांग की जिसका ऑडियो क्लिप भी वायरल हो रहा है। हालांकि दैनिक बिहार पत्रिका इसकी पुष्टि नहीं करता। बातचीत का यह ऑडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मामले में एक और दारोगा सतीश प्रसाद सिंह का नाम सामने आया है। एसपी गौरव मंगला ने उन्हें भी तत्काल निलंबित कर केस करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। सतीश प्रसाद जिले के डेरनी थाने में पदस्थापित हैं। उन्होंने केस में मेडिएटर की भूमिका निभाई थी।

क्या कहते हैं एसपी गौरव मंगला

शिकायतकर्ता का नाम सुरक्षा कारणों से गुप्त रखा गया है। उन्होंने ऑडियो क्लिप पुलिस को उपलब्ध कराया था। जांच में प्रथम दृष्टया मामला सत्य पाया गया। इसलिए दोनों आरोपी दारोगा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। दोनों पर प्राथमिक दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

बांका: गोमती नगर एक्सप्रेस ट्रेन का मंदारहिल रेलवे स्टेशन पर हुआ ठहराव

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। ऐतिहासिक मंदार क्षेत्रवासियों को अब रामलला के दर्शन में परेशानियों का सामना नहीं करना होगा। शनिवार को मंदारहिल स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने के साथ ही यात्रियों में हर्ष का माहौल था। यह ट्रेन तीन राज्यों को जोड़कर गोमती नगर (लखनऊ) तक चलेगी। जिसमें झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश के कई स्टेशन शामिल है। ये ट्रेन मनकापुर व गोंडा में भी रुकेगी जो अयोध्या धाम स्टेशन से नजदीक है। यहां से उतरकर आसानी से लोग अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर पायेंगे। गोड्डा सांसद डा० निशिकांत दुबे के द्वारा शनिवार को गोड्डा- गोमती नगर (लखनऊ) साप्ताहिक ट्रेन का नियमित परिचालन हरी झंडी दिखाकर आरंभ कर दिया गया है। मालूम हो कि यह ट्रेन गोड्डा स्टेशन से दोपहर के 2:10 बजे खुलेगी और अगले दिन 7:30 पर गोमती नगर पहुंचेगी। मालूम हो कि गोमती नगर से यह ट्रेन 01 मार्च से प्रत्येक शुक्रवार तथा गोड्डा से 2 मार्च से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह ट्रेन गोड्डा से चलकर हंसडीहा, मंदारहिल, बाराहाट, भागलपुर, सुल्तानगंज, मुंगेर, बेगूसराय, बरौनी, हाजीपुर, सोनपुर, छपरा, सिवान, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, गोंडा तथा बाराबंकी के रास्ते दूसरे दिन सुबह 7:03 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। गोमती नगर से गोड्डा के लिए खुलने वाली गाड़ी की वापसी यात्रा भी इसी रूट से होगी। ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी, सामान्य श्रेणी सहित कुल 22 कोच हैं।

जिला बदर: डीआईजी विवेकानंद अपराधियों को किया जायेगा

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर सिल्क सिटी भागलपुर रेंज के सभी पुलिस अधीक्षकों के साथ रेंज डीआईजी विवेकानंद ने बैठक कर चुनाव आयोग और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों से अवगत कराया। डीआईजी ने कहा कि बांका जिले में 12 चेकपोस्ट है तो भागलपुर जिले में 11 चेकपोस्ट है। चेकपोस्ट को पहले से बेहतर किया गया है, जल्द ही सभी चेकपोस्ट पर सीसीटीवी कैमरे लगाये जाएंगे। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, भयमुक्त और शांतिपूर्ण चुनाव कराना पुलिस की जिम्मेदारी है और इसके लिए अधीक्षकों को आपेक्षित कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। उन्होंने मध निषेध को लेकर सभी एसपी को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र में शराब की खरीद- बिक्री न हो। इसलिए मध निषेध कानून को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया। विभिन्न चेकपोस्ट पर सघनता पूर्व चेकिंग अभियान चलाने के लिए कहा गया।

पूर्व में चुनाव में व्यवधान डालने वालों के खंगाले जा रहे रिकॉर्ड

बैठक के बाद मीडिया कर्मियों से बातचीत में डीआईजी विवेकानंद ने कहा कि भागलपुर और बांका जिले की सीमाएं झारखंड से मिलती है। ऐसी स्थिति में सीमाक्षेत्र वाले चेकपोस्ट पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। पूर्व में हुए चुनावों में व्यवधान डालने वाले अपराधियों के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। जबकि ऐसे अपराधियों के रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है, जिनसे चुनाव में व्यवधान उत्पन्न होने की संभावना है। ऐसे पर सीसीए के विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। बैठक में भागलपुर रेंज के सभी पुलिस अधीक्षक मौजूद थे।

धोरैया में भाजपा ने चलाया लाभार्थी संपर्क अभियान

मंदार डेरु विवाह भवन में कार्यशाला का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका। आशुतोष कुमार

धोरैया। बांका। बिहार। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर धोरैया विधानसभा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क अभियान की पहल तेज कर दी है। मिशन 2024 के तहत 400 लोकसभा सीटों के लक्ष्य को साधने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से अब लाभार्थी संपर्क अभियान चलाने की तैयारी हो रही है। इसके लिए 25 फरवरी दिन रविवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश कुमार सिंह की अध्यक्षता में धोरैया प्रखंड अंतर्गत मंदार डेरू विवाह भवन में प्रखंड स्तरीय लाभार्थी संपर्क अभियान को सफल बनाने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा के लोगों ने पार्टी कार्यकर्ताओं को इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष टिप्स दिए। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह बताया गया कि कैसे एक- एक गांव में घर- घर जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लाभुकों के जेहन में इन योजनाओं की यादों को ताजा कराना है। इन्हें यह बताना है कि नरेंद्र मोदी सरकार ने जो योजनाओं चलाई हैं, वह सीधे तौरपर जरूरतमंद लोगों तक पहुंची है। केंद्र सरकार ने जनहित की योजनाओं को धरातल पर उतारकर जनता से किए गए एक-एक वादों को पूरा किया है। प्रधानमंत्री आवास से पक्का घर में रहने का सपना साकार किया गया है। रसोई के धुएं को उज्ज्वला की लौ से दूर किया गया है। खुले शौच पर पाबंदी के लिए शौचालय देकर घर की महिलाओं के मान-सम्मान की रक्षा की गई है। किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए लाभ पहुंचाया गया है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह मंडल संयोजक श्रीकांत रजक, जिला मंत्री गणेश गुंजन, जिला संयोजक शिवशंकर दास, कैलाश सिंह, अमित मंडल, राहुल यादव, चंदन कुमार सिंह, मनोज कुमार हिमांशु, हेमकान्त मंडल, मिथिलेश कुमार, जेपी भारती, रुपेश कुमार, राकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

संत शिरोमणि रविदास की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। अंबेडकर विचार मंच के सक्रिय एवं कर्मठ सदस्य प्रदीप दास और प्रकाश दास के सक्रिय भूमिका एवं देखरेख तथा रंजन दास के मंच संचालन में अंबेडकर विचार मंच बौंसी के बैनर तले संत शिरोमणि रविदास की जयंती के अवसर पर ग्राम बगडुम्बा में कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसकी शुरुआत अंबेडकर विचार मंच के अध्यक्ष धनंजय दास, सचिव कमल किशोर, महिला अध्यक्ष गौरी देवी, राजद प्रखंड अध्यक्ष पंकज दास, समाजसेवी मनीष अग्रवाल के द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन तथा जुझारू, कर्मठ सदस्य मनोज दास के सुंदर स्वागत गान के द्वारा किया गया। इस मौके पर अंबेडकर विचार मंच के अभिभावक परमेश्वर दास ने रविदास को भारत के उच्च कोटि के संत बताया। राजद प्रखंड अध्यक्ष पंकज दास एवं मुकेश हरि द्वारा रविदास की जीवनी पर गहराई से प्रकाश डालते हुए उनकी जीवन की कठिनाइयां को उजागर किया गया और उनके रास्ते पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। साथ ही साथ समाजसेवी मनीष अग्रवाल ने कहा कि कोई जाति उच्च नीच नहीं होता, सभी एक समान होते है।

समाजसेवी मनीष अग्रवाल ने कहा कि कोई जाति उच्च नीच नहीं होता, सभी एक समान होते है।

सचिव कमल किशोर ने ग्रामीणों को जागृत करते हुए कहा की जिस तरह संत रविदास विषम परिस्थिति में भी अपने समाज को आगे बढ़ाने का काम किए उसी तरह आप सभी ग्रामीण भी अपने समाज को आगे बढ़ाएं, साथ में महिला अध्यक्ष गौरी देवी द्वारा महिलाओं को जागृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष धनंजय दास ने ग्रामीणों को शपथ दिलाते हुए अपने- अपने घर में संत रविदास के नाम पर एक प्रज्वलित करने की बात कहा गया और वयोवृद्ध वरिष्ठ अध्यक्ष मदन मेहरा द्वारा आशीर्वचन कहा गया। इस दौरान जयलाल दास, कपिल दास, तुलसी दास, पंकज भारती, पवन दास, अरविंद दास, राम दास, पिंटू दास, अविनाश, रामदेव यादव, लोधी पासवान, अशोक दास, जय कृष्ण दास, संजय दास, शंकर दास सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका,खगड़िया। एनएच 31 संसारपुर के निकट मुफ्फसिल पुलिस ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। सघन वाहन जांच अभियान चलाए जाने से बाइक चालकों में हड़कंप की स्थिति मची हुई थी। वहीं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार पूरे जिले में वाहन चेंकिग अभियान चलाया जा रहा है। विशेष तौर शराबबंदी अभियान को लेकर भी वाहन चेंकिग अभियान चलाया गया। वहीं जिले के कई थानों में वाहन चेंकिग के दौरान कागजातों की भी जांच की गई साथ ही जुर्माना के तौर रकम की वसूली की गई ।

16 कार्टून कफ सिरफ किया जब्त

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

नगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए विद्याधार मोहल्ले से 16 कार्टन कफ सीरप यानि 192 लीटर काफी सीरफ बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि नगर थानाध्यक्ष नीरज कुमार, एसआई सुनील मंडल, पीएसआई विकास कुमार द्वारा किए गए कार्रवाई में वार्ड संख्या 15 से ऋषव कुमार उर्फ मोहित कुमार के घर से कफ सीरप बरामद किया है।

भागलपुर:बिहार सरकार की टीम ने सुल्तानगंज में गंगा नदी का किया सर्वे

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलाधिकारी डॉ० नवल किशोर चौधरी के अनुरोध पर जल संसाधन विभाग, बिहार सरकार की टीम ने खनन विभाग के पदाधिकारी के साथ सुल्तानगंज में गंगा नदी का सर्वे किया। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी भागलपुर ने जल संसाधन विभाग को सुल्तानगंज में गंगा को उत्तरायण करने हेतु चैनल बनाने का अनुरोध किया था। 25 फरवरी 2024 को जिलाधिकारी ने जल संसाधन विभाग के सर्वे टीम को बुलाकर भागलपुर मुलाकात की तथा भागलपुर शहर में गंगा नदी को चंपानाला से और बरारी से जोड़ने का अनुरोध किया। इस संबंध में बताया गया है कि अगले 15 दिनों के अंदर इसके लिए जल संसाधन विभाग की टीम पुनः आयेगी और आकर गंगा नदी को चंपानाला तथा गंगा नदी को बरारी से जोड़ने के लिए सर्वे करेगी। उल्लेखनीय है की गंगा को चंपानाला से जोड़ने पर जगदीशपुर के समीप के चानन नदी को सूखने के कगार पर है, वह पुनर्जीवित हो जाएगी और यहां के कतरनी चावल में फिर वही खुशबू मिलने लगेगी। साथ ही गंगा नदी को बरारी से जोड़ने पर शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति में कभी भी कठिनाई नहीं होगी, बहरहाल नगर निगम को गंगा नदी से पानी खींचकर भागलपुर शहर में जलापूर्ति करनी पड़ रही है। बरारी तक गंगा नदी के पहुंच जाने से भागलपुर शहरी क्षेत्र में जलापूर्ति करने में नगर निगम को काफी सहूलियत होगी। इसके साथ ही भागलपुर शहरी क्षेत्र का भू-जल स्तर काफी बढ़ जाएगा। सर्वे टीम में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल के सीडीओ के मुख्य अभियंता नवीन कुमार श्रीवास्तव, हेड्रोलॉजी के अधीक्षण अभियंता रवींद्र कुमार, अधीक्षण अभियंता महमूद आलम, जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अनिल कुमार, भागलपुर के अधीक्षण अभियंता रणवीर प्रसाद, कार्यपालक अभियंता आदित्य प्रकाश एवं अन्य अभियंता गण शामिल थे।

इंटर की कॉपी जांच शुरू: परीक्षकों ने दिया योगदान

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिले के पांच सेंटरों पर इंटर परीक्षा की कॉपी मूल्यांकन के लिए परीक्षकों ने योगदान दिया। इसमें जिला स्कूल, नव स्थापित जिला स्कूल, क्राइस्ट चर्च बालिका उच्च विद्यालय, एसएस बालिका उच्च विद्यालय नाथनगर व झुनझुनवाला बालिका विद्यालय शामिल है। जिला शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार परीक्षकों ने सेंटरों पर योगदान दे दिया है, रविवार से कॉपी की जांच शुरू हो गई है। कॉफी मूल्यांकन कार्य चार मार्च तक चलेगा, जबकि मैट्रिक की कॉपी का मूल्यांकन का काम एक से 10 मार्च तक चलेगा, इसके लिए छह केंद्र बनाये गये हैं।

सबौर के सरधो में झाड़ी से मिली नवजात बच्ची

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत सबौर प्रखंड क्षेत्र के सरधो के वार्ड संख्या-05 स्थित स्टेट ट्यूबवेल के समीप स्थित झाड़ी से नवजात कन्या मिली है। ग्रामीणों ने नवजात को चाइल्ड केयर को सौंप दिया है। इससे पहले झाड़ी में नवजात की सूचना पर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गयी। मुखिया विपिन कुमार निराला, सरपंच राजकुमार साह ने मौके पर पहुंचने के बाद सबौर थाना व स्वास्थ्य केंद्र को सूचित किया। बच्ची का प्राथमिक इलाज भी स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। हालांकि कई ग्रामीण नवजात को अपनाना चाह रहे थे, लेकिन कानूनी प्रक्रिया के मद्देनजर वह ऐसा नहीं कर सके।

सुल्तानगंज थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

थानाध्यक्ष प्रियरंजन कुमार ने उपस्थित सभी लोगों को शब- ए- बारात को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मानने का अपील किया।

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत सुल्तानगंज थाना परिसर में शब-ए- बारात को लेकर शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष प्रियरंजन कुमार ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में नगर उपसभापति नीलम देवी मौजूद थीं। साथ ही बैठक में सभी राजनीतिक दल के नेता एवम मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद थे। इस दौरान बैठक में थानाध्यक्ष प्रियरंजन कुमार ने उपस्थित सभी लोगों को शब- ए- बारात को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मानने का अपील किया। वहीं सभी लोगों ने इस पर्व को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मानने का भरोसा दिलाया। इसको लेकर थाना प्रभारी ने मीडिया को बताया की सभी लोगों ने इस पर्व को शांति व सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मानने का भरोसा दिलाया है। साथ ही थानाध्यक्ष ने बताया की जो भी लोग उद्दंडता करते पाये जायेंगे उस पर सख्त से सख्त कार्यवाही होगी। और शहर में लगे सीसीटीवी कैमरा से हर गतिविधि पर निगरानी की जाएगी। इस दौरान बैठक में जिला अनुसूचित जाति के जिलाध्यक्ष महेश दास, लोजपा रामविलास के प्रखण्ड अध्यक्ष मनीष कुमार, कांग्रेस नेता विनय शर्मा, नगर अध्यक्ष अफरोज आलम, मिरहट्टी मुखिया अशोक यादव, सरपंच अध्यक्ष विमल यादव, वार्ड पार्षद रूबी देवी, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि शाहनवाज काजमी, मो० सेराज अंसारी, नोमान अंसारी, वार्ड पार्षद मो० इजराइल, वार्ड प्रतिनिधि मुकेश कुमार, थाना के इंस्पेक्टर धीरेंद्र कुमार यादव, महिला एसआई लक्ष्मी देवी, एसआई एसके यादव, एसआई अभय कुमार सिंह, एसआई नवीन कुमार बन्नी सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद थे।

पीजी छात्र तीन माह तक करेंगे सदर अस्पताल में काम

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

बिहार। राज्य के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेज जहां पीजी की पढ़ाई हो रही है, वहां के छात्र- छात्राओं को सदर अस्पतालों में जिला रेसिडेंसी कार्यक्रम के तहत हर दूसरे सत्र में तीन माह के लिए सेवा देना अनिवार्य कर दिया गया है। इन्हें तीन शिफ्ट में काम करना होगा। ऐसे में सदर अस्पतालों में रात में भी इनकी ड्यूटी रहेगी। तीन माह पूरा होने के बाद सिविल सर्जन इन्हें विरमित करेंगे और प्रमाण- पत्र मिलेगा। पीएमसीएच के 84 और आईजीआईएमएस के 47 छात्र- छात्राओं को सदर अस्पतालों में ड्यूटी लगायी गयी है। अन्य मेडिकल कॉलेज भी संबंधित सदर अस्पतालों में पीजी के छात्रों को भेज रहे हैं।

नर्सिंग छात्रा की मौत मामले में कमेटी गठित

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत एएनएम प्रशिक्षण स्कूल कहलगांव की नर्सिंग की छात्रा साक्षी की मौत मामले में जांच को लेकर सिविल सर्जन डॉ० अंजना कुमारी ने कमेटी का गठन किया है। जांच कमेटी का अध्यक्ष एसीएमओ (गैर संचारी रोग) डॉ० पंकज कुमार मनस्वी को बनाया गया है। इसके अलावा कमेटी में अनुमंडलीय अस्पताल कहलगांव के उपाधीक्षक डॉ० आनंद मोहन, महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० पुष्प सुधा व एएनएम प्रशिक्षण स्कूल कहलगांव के प्रभारी प्राचार्य कुमार परितोष को सदस्य के रूप में रखा गया है। कमेटी गठन करने के साथ ही सीएस ने अपने पत्र में कहा है कि जांच कमेटी को 2 दिन के अंदर पूरे मामले की रिपोर्ट देना है।

हरपुर (शाहकुंड) गांव में नौ दिवसीय रामकथा को लेकर निकाली गयी कलश यात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका। अमित कुमार झा

भागलपुर। बिहार। सिल्क सिटी भागलपुर जिलांतर्गत शाहकुंड प्रखंड मकंदपुर पंचायत के हरपुर गांव में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी। हरपुर गांव के काली मंदिर से कलश यात्रा निकलकर गांव का भ्रमण कर बेलथू चौक से वापस कथा स्थल पर पहुंची। कलश यात्रा में भगवान राम के जयकारे से हरपुर गांव में भक्ति का माहौल बन गया है। प्रवचन मथुरा वृंदावन के बालाजी आश्रम के विवेक सागर दास महाराज करेंगे। प्रवचन संध्या पांच से रात्रि 10 बजे तक होगा। प्रवचन तीन मार्च तक होगा। प्रवचन का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर मुखिया पिंटू दास, दिवाकर शर्मा, युवराज शर्मा, रामजी राय, सुमन सौरभ, अमित, राजकिशोर मंडल, संजय सहित अन्य ने संयुक्त रूप से किया। राम कथा को सफल बनाने में ग्रामीण तत्परता से जुटे हैं।

बांका: लाभार्थी सम्पर्क अभियान कार्यशाला का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका। कुमार चंदन

बौंसी। बांका। बिहार। जिलांतर्गत बौंसी नगर के गांधी चौक स्थित शिव मंदिर प्रांगण में लाभार्थी सम्पर्क अभियान कार्यशाला का आयोजन रविवार को जिलाध्यक्ष ब्रजेश मिश्रा की अगुवाई में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष मनमीत साह ने किया। बैठक में सभी पदाधिकारियों को लाभार्थी के घर- घर जाकर लाभार्थी से संपर्क कर नरेंद्र मोदी को फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए नरेंद्र मोदी के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित कराने का संकल्प लिया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि लाभार्थी संपर्क अभियान के जिला संयोजक सुमन सौरभ मौर्य, सह-संयोजक बभनगामा मुखिया दिगम्बर मंडल, लाभार्थी नगर मंडल संयोजक बुलो प्रसाद यादव, सह-संयोजक रेशमी झा, पंकज मांझी, मुन्ना साह, विधानसभा संयोजक पुरुषोत्तम ठाकुर, मंडल प्रभारी रेजिना हेंब्रम, महिला मोर्चा अध्यक्ष संध्या सिंह, पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष शैलेश सौरभ, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप दास, शक्ति केंद्र प्रमुख घनश्याम पासवान, रंजीत मांझी, किशोर कुमार, हेमकांत झा, बालगोविंद ठाकुर, राम प्रसाद यादव, राकेश ठाकुर, मनीष कुमार, नरेश प्रसाद राय उपस्थित रहे।

तीन देशी कट्टा आठ जिन्दा कारतूस एवं लूट की समानों के साथ दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका,खगड़िया

बेलदौर थाना क्षेत्र के महीनाथ नगर गांव स्थित मुखला पुल के समीप अपराधिक घटना कोई योजना बना रहे अपराधी को दीर्घा गस्ती के दौरान पुलिस देख भाग रहे दो अपराधी को धर दबोचा। बेलदौर पुलिस ने दो लूट और एक डकैती के मामले में उद्वेदन करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इन तीनों मामलों में दो अपराधी को तीन देसी कट्टा आठ जिंदा कारतूस,पांच सौ रूपये के अपराधी को गिरफ्तार किया।एक अपराधी अंकित कुमार दूसरा सौरभ कुमार अंबेडकर के पास से दो देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस दूसरे के पास से एक देसी कट्टा कर जिंदा कारतूस बरामद किया। दोनों अपराधी के निशानदेही पर लूटी गई एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल एवं एक लैपटॉप पुलिस ने बरामद किया। पुलिस कप्तान सागर कुमार प्रेस वार्ता आयोजित कर बताया कि तीनों घटना बेलदौर थाने क्षेत्र में हुई थी बेलदौर पुलिस को सफलता मिली दोनों अपराधी के निशानदेही लूटे गए सामान की बरामदगी भी हुई। जहां पुलिस ने दोनों अपराधी को धर दबोचा और अपराधी के मंनसुबे पर पानी फेर दिया।

176 परिवार के घर पर कोर्ट के आदेश पर चली बोल्डोजर

दैनिक बिहार पत्रिका, रेशु रंजन

पसराहा/खगड़िया: थाना क्षेंत्र अंतर्गत महदीपुर गांव के छरकी टोला में स्थित बसें 176 परिवार के घर पर कोर्ट के आदेश पर चली बोल्डोजर,जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने को लेकर खगड़िया डीडीसी संतोष कुमार , गोगरी एसडीओ अमन कुमार सुमन,गोगरी डीएसपी रमेश कुमार, पसराहा थानाध्यक्ष संजय कुमार विश्वास की मौजूदगी में सेकडो की संख्या में पुलिस बल तैनात।बताते चलें कि महादीपुर पंचायत स्थित छरकी के पास निजी जमींदार गोगरी प्रखंड क़े लक्ष्मीनगर हाट निवाशी अमर सिन्हा के जमीन पर लगभग 176 बनाकर अवेध रूप सें कब्जा कर घर बना कर रह रहा था।लंबे समय तक कोर्ट में केश चल रही थी हाल ही में पटना हाई कोर्ट के आदेश पर खगड़िया जिला के द्वारा आज दिन रविवार को सेकडो महिला व पुरुष पुलिस बल के साथ गोगरी अनुमंडल पदाधिकारी,गोगरी डीएसपी रमेश कुमार,परवत्ता सीओ,गोगरी सीओ,थानाध्यक्ष पसराहा संजय कुमार विश्वास,मड़ैया थानाध्यक्ष मो0 फिरदौस,परवत्ता थानाध्यक्ष अरविंद कुमार,बेलदौर थानाध्यक्ष परेंदर कुमार, कौशल कुमार मिश्रा सहित अन्य पदाधिकारी की मोजुदगी में जेसीबी सें निजी जमीन पर अतिक्रमण मुक्त कराया कराया गया। वहीँ आज दिन रविवार को लगभग दस पक्के ईट की मकान सहित जोड़ी झोपड़ी को भी जेसीबी सें तोड़ा गया।इसकों लेकर लगातार प्रशासन द्वारा घर हटाने को लेकर मायकिंग किया जा रहा है वहीँ पदाधिकारी के माने तो एक दर्जन से अधिक संख्या में पुलिस बल की भी प्रतिनियुक्ति की गई है मालूम हो कि महदीपुर पंचायत छरकी में 1992 से ही महदीपुर के लोग जबरन घर बनाकर कब्जा कर लिया था।ग्रामीणों ने बताया हमलोग 40 साल सें घर बनाकर रह है जिसमे सरकार के द्वारा इंद्रा - आवास का भी घर बनाए हैं,हमलोग का घर टूट रहा हैं।अब हम बाल बच्चे को लेकर कहा जाएं।

संत निरंकारी मिशन द्वारा नदी व किनारा पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका , खगड़िया/अलौली। संत निरंकारी मिशन के बैनर तले देशव्यापी आह्वान पर स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान के तहत देशभर में 1500 स्थलों सहित अलौली ब्लॉक चौक निकट अवस्थित बागमती नदी एवं किनारे पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। तथा स्वच्छ नदी, स्वच्छ जल, स्वच्छ जीवन, स्वच्छ समाज, बनाने का संकल्प लिया। सफाई अभियान का नेतृत्व मुखी महेश्वर यादव, ब्रज नंदन महतों, पंच सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष किरण देव यादव, केवल प्रसाद ने किया। धन निरंकारी मिशन से जुड़े संत सेवियों ने कहा कि नदी हमारी सभ्यता संस्कृति से जुड़ी हुई है, जल ही जीवन है। नदी एवं जल बचेगी तभी मानव अस्तित्व बच पाएगा। अतः नदी एवं जल का संरक्षण संवर्धन करना हमारा परम कर्तव्य है।सफाई अभियान में सेवादार मीरा देवी आदि दर्जनों सेवादारों ने भाग लिया।

गोगरी गंगा घाट पर शांतिपूर्ण तरीके से मेला हुआ संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका, गोगरी: खगड़िया जिला के गोगरी प्रखंड के गोगरी गंगा घाट पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माघी पूर्णिमा का मेला काफ़ी धूम धाम से मनाया गया और राम धूनी यज्ञ एवं कृतन तथा रावण वध का लोगों ने काफ़ी रूचि लेकर देखा तथा मेला का आनंद लेते हुए कहा की इस वर्ष की भांति आने वाले वर्ष में भी इसी तरह से मेला का आयोजन होना चाहिए मेला काफ़ी आनंद दायक रहा शांति पूर्वक तरीके से लोगो ने मेला का आनंद लिया। इस मौके पर पुलिस प्रशासन , मुखिया ,मुखिया प्रतिनिधि, वार्ड पार्षद एवं वार्ड पार्षद प्रतिनिधि डॉ. मनोज पासवान. मनोज कुमार कुशवाहा राजद नगर अध्यक्ष. जनार्दन पटेल विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

युवक की गला रेतकर हत्या, इलाके में फैली सनसनी

दैनिक बिहार पत्रिका, खगड़िया

जिले के गोगरी थाना अंतर्गत राटन मुस्लिम बहियार में बदमाशों ने एक युवक की गला रेत कर हत्या कर दी। युवक की सिरकटी लाश मकई के खेत से बरामद की गई। युवक की पहचान नहीं हो पाई है। इस बीच सिरकटी लाश मिलने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैली हुई है। वहीं शव मिलने की सूचना पर गोगरी थाना के अपर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर खेतों में मौजूद किसानों से पूछताछ की। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को राटन गांव के रहने वाले मुश्ताक खान की मकई खेत में एक किसान पटवन कर रहे था। इस बीच खेत में उनलोगों ने एक युवक का सिरकटी लाश देखी। शव देखकर किसान ने शोर मचाया। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने युवक की पहचान करने की कोशिश की, लेकिन सिरकटी होने के कारण शिनाख्त नहीं हो सकी। मृत युवक लगभग 40 वर्ष के आसपास का है। उसने शरीर में मात्र एक जांघिया था। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक का सिर कहीं दूसरी जगह काटकर बदमाशों ने धड़ को राटन बहियार में फेंक दिया। जहां शव मिला है,वहां खून का एक भी निशान नहीं है। मक्का का पौधा भी टूटा हुआ नहीं है। इस बीच गोगरी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।गोगरी एसडीपीओ रमेश कुमार ने बताया कि पुलिस शव की पहचान की कोशिश में है।

एफएसएल टीम घटना स्थल पर पहुंच शव की जांच

गोगरी। गोगरी थाना क्षेत्र के राटन मुस्लिम बहियार में मिली अज्ञात युवक का सिर कटी शव की जांच एफएसएल टीम ने घटना स्थल पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान शव के हर अंगों की डीएनए जांच के लिए शव के मांस के अंश को अपने साथ ले गई। टीम ने शव के हर पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर कई सामान अपने एफएसएल बॉक्स में रखा। वहीं शव को देखने के लिए भी स्थानीय लोगों की काफी भीड़ लगी थी। वहीं स्थानीय पुलिस भी अपने स्तर मामले की जांच कर रही है। जबकि एफएसएल टीम भी इस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

अलौली तक ट्रेन चालू करने में अनावश्यक विलंब - लापरवाही क्यों ? जवाब दे विभाग व सरकार - सुभाष जोशी

दैनिक बिहार पत्रिका , खगड़िया/अलौली

खगड़िया से अलौली तक जल्द ट्रेन चालू करने एवं कुशेश्वर स्थान तक रेलवे लाइन जल्द निर्माण करने के सवाल को लेकर सामाजिक संगठन फरकिया मिशन के बैनर तले श्री युवक प्रखंड पुस्तकालय के सभागार में आम सभा का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने किया। सभा में एक स्वर में सर्वसम्मति से 12 मार्च 2024 को अलौली रेलवे जंक्शन पर धरना प्रदर्शन सभा करने का निर्णय लिया गया तथा इसकी सफलता हेतु पर्चा पोस्टर बैनर प्रकाशित करने, जनसंपर्क अभियान तेज करने एवं व्यापक गोलबंदी के साथ रेलवे जंक्शन से अलौली ब्लॉक बीडीओ के समक्ष जुझारू क्रांतिकारी प्रदर्शन करने, रेल मंत्री- रेलवे विभाग के वरीय पदाधिकारी, जिलाधिकारी के नाम बीडीओ को स्मार पत्र सौंपने का निर्णय लिया गया। नेताओं ने कहा कि 162 करोड़ के लागत से 2015 तक ही खगड़िया से अलौली होते हुए कुशेश्वरस्थान तक रेल परिचालन करना था किंतु समय के अंतराल में बजट वृद्धि कर 700 करोड़ के लागत से अलौली तक भी ट्रेन चालू नहीं हो सकी है, जो रेलवे विभाग व ठेकेदार की लापरवाही एवं भ्रष्टाचार साफ प्रतीत होती है। नेताओं ने कहा कि विभागीय बयान एवं अखबार में प्रकाशित समाचार पढ सुनकर कान पक गया है कि अब चालू होगा, तब चालू होगा, आखिर ट्रेन अलौली तक कब चालू होगा ?

यात्री से मारपीट मामले में 3 किन्नर गिरफ्तार,मामला दर्ज

दैनिक बिहार पत्रिका: सोनपुर से प्राप्त किन्नर द्वारा यात्रियों से किये जाने वाले दुर्व्यवहार का वायरल विडियो ट्विटर कंप्लेंट के माध्यम से प्राप्त हुआ । जिसके अनुपालन में मेरे(निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम आरपीएफ खगड़िया) द्वारा मामले की जांच पड़ताल किया गया तो ज्ञात हुआ कि यह मामला कल दिनांक 24/02/24 को गाड़ी संख्या 15713 आप कटिहार - पटना इंटरसिटी एक्सप्रेस का है । उक्त गाड़ी कल दिनांक 24/02/24 को समय 09:26 बजे खगड़िया स्टेशन पर आई तथा समय 09:28 बजे गंतव्य के लिए प्रस्थान की थी। उक्त घटना खगड़िया से बेगूसराय के बीच में किन्नर द्वारा यात्रियों से पैसा मांगने को लेकर बदतमीजी करने पर यात्रियों द्वारा विरोध किया गया , जिसपर किन्नरों ने यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया । छानबीन के क्रम में उक्त घटना में शामिल तीन किन्नर कोपहचान कर खगड़िया स्टेशन रोड से समय करीब 21:20 बजे गिरफ्तार कर लिया गया है । गिरफ्तार तीनों किन्नर से पूछताछ करने पर अपना नाम व पता - (1) मोनिका किन्नर उम्र 20 वर्ष, पिता स्वर्गीय श्री रामसुंदर दास घर सनौली थाना खगड़िया जिला खगड़िया (2) शिवानी किन्नर उम्र 23 वर्ष पिता वीरन महतो घर भदास वार्ड नंबर 7 थाना मुफस्सिल जिला खगरिया (3)छोटी किन्नर उम्र 20 वर्ष पिता विनोद पासवान घर कमलपुर थाना +जिला खगड़िया बताया ।आगे पूछताछ में गिरफ्तार तीनों किन्नर ने बताया कि हम लोग यात्री से पैसा मांग रहे थे उसीमें एक यात्री का परिवार था जो भड़क गया और मारपीट करने लगा जिसका इन लोगों ने प्रतिरोध किया। मामले में गिरफ्तार तीनों किन्नर ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार किया इसके बाद तीनों को गिरफ्तार करते हुए उनके विरुद्ध आरपीएफ पोस्ट खगड़िया पर कांड संख्या-260/24 - 262/24 u/s- 144(b), 147, 145 Rly Act दर्ज किया गया है। अवगत कराना है कि आरपीएफ पोस्ट खगड़िया द्वारा किन्नरों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जाता है, जिसमें वर्ष 2023 में कुल 87 किन्नरों के गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की गई है, जबकि वर्ष 2024 में जनवरी से अब तक कुल 21 किन्नर को गिरफ्तार कर इनके विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है ।

मोबाइल के शिकंजे में हम

एक रिपोर्ट आपको चौंकाएगी कि हम अपने दिन के औसतन पांच घंटे फोन पर बिताते हैं। वास्तविक जिंदगी में ऐसे उदाहरण दिखना आम है। वहीं डॉक्टर कहते हैं कि कई सारी सहूलियतें देने वाली ये स्मार्ट डिवाइस आलसी से लेकर रोगी तक बना सकती है। लेकिन, हम इसे छोड़ने की कल्पना से ही बदहवास हो उठते हैं। इस पर विशेषज्ञों की क्या है राय, बता रही हैं किरण

वायरल हुआ एक मैसेज मोबाइल फोन से पैदा हुई परेशानियों को खूब बयां करता है। मैसेज कुछ यूं था-'मैं मंजू गुप्ता, मुझे एहसास हुआ कि मेरे परिवार वाले मुझसे ज्यादा अपने मोबाइल के करीब हो गए हैं। मेरे बच्चे लाइक्स के लिए पागल हैं। इसलिए मैं अपने परिवार के लिए नियम बना रही हूं कि सब लोग सुबह उठते ही फोन नहीं, सूर्य देवता के दर्शन करेंगे। सबको एक साथ डायनिंग टेबल पर खाना होगा और फोन हमेशा टेबल से 20 कदम दूर रहेगा। बाथरूम जाते वक्त सब अपने फोन बाहर रखेंगे। यदि कोई नियम तोड़ता है, तो वो एक महीने तक बाहर से खाना नहीं मंगा सकेगा।' एक ऐसी ही दूसरी खबर भी दिलचस्प लगेगी, जिसमें अमेरिका की एक योगर्ट कंपनी सिग्गी ने लोगों को एक चैलेंज के तहत अपना फोन एक महीने तक बंद रखने व दुनिया के साथ जुड़ने के लिए आठ लाख रुपये की पेशकश की।

दरअसल मोबाइल फोन है ही ऐसी चीज। वर्ष 1995 में पहली बार भारत में शुरू हुई मोबाइल सेवा ने हमें कहां से कहां पहुंचा दिया है। आज इस छोटे से डिब्बे से पढ़ाई, शॉपिंग, बैंकिंग, फोटोग्राफी करने से लेकर मनोरंजन जैसे कई करिश्मे अंजाम दिए जा सकते हैं। बड़ी ही स्मार्टनेस के साथ ये मोबाइल फोन सहूलियतें देने की कीमत पर हमारी जिंदगी से बहुत कुछ छीन रहा है, और हमें इसका अहसास ही नहीं हो रहा।

क्या खोते जा रहे हैं हम

वेलनेस कोच रीना सिंह कहती हैं, 'मोबाइल ने अलादीन के चिराग वाले जिन्न की तरह हमें बहुत कुछ दिया है, इसने हमारी जिंदगी में कई सारी सुविधाएं एक जगह लाकर रख दी हैं, लेकिन अपनी आदतों पर नियंत्रण न रख पाने की वजह से हम खो भी बहुत कुछ रहे हैं। शारीरिक व मानसिक सेहत ही नहीं, भावनात्मक स्तर पर भी। यहां मैं एक विज्ञापन का जिक्र करना चाहूंगी, जिसमें दिखाया गया है कैसे एक महिला अपने युवा बेटे से सोशल मीडिया पर खुद का **अकाउंट** बनाने के लिए आग्रह **कर रही है,** ताकि वह उससे ऑनलाइन चैटिंग कर सके। वजह, घर में होते हुए भी उससे उसके बेटे की बात नहीं हो पाती, क्योंकि वह हमेशा मोबाइल पर लगा रहता है। अब आमतौर पर लोग बात करने के बजाय अपने मोबाइल स्क्रीन पर स्क्रोल करना पसंद करते हैं। एक शोध में 74 फीसदी पेरेंट्स ने माना कि उनके स्मार्टफोन के ज्यादा उपयोग से बच्चों के साथ उनके रिश्ते खराब हो रहे हैं। एक समाज के नाते, अगर हमने अपनी आदतों को सुधारा नहीं, तो यही स्मार्टफोन आपको बेवकूफ, असामाजिक और अस्वस्थ बना देगा।'

66

फीसदी हो गई है मोबाइल फोन के बिना रहने से डरने वाले लोगों की संख्या, एक शोध के अनुसार। जिसमें 70% लोग भोजन करते समय भी मोबाइल का उपयोग करते हैं और 75% लोग परिवार के साथ बैठते समय भी अपने स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं।

दिमाग को बना रहा आलसी

आप मानें या न माने, लेकिन अपने सभी जवाबों के लिए स्मार्टफोन पर ज्यादा निर्भरता मानसिक आलस्य का कारण बन सकती है। जर्नल मेमोरी में प्रकाशित **एक शोध में इस** बात की पुष्टि भी हुई है। एक सर्वे में **शामिल लोगों** को जब शोधकर्ताओं ने कठिन **सवालों** के जवाब गूगल पर ढूंढ़ने की अनुमति **दी, तो** उन्होंने सरल सवालों के जवाब के **लिए** भी सर्च इंजन की ओर रुख किया। **वहीं** जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में न्यूरो साइकियाट्री की क्लीनिकल डायरेक्टर सुसैन लेहमैन कहती हैं कि स्मार्टफोन चीजों को याद करने की हमारी दिमागी क्षमता में बाधा डालते हैं। जब आप इन उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, तो आप अकसर बातचीत के बीच तेजी से स्विच कर रहे होते हैं। आपकी एकाग्रता में बार-बार हो रहे ये बदलाव किसी तथ्य या विचार को यादों में पर्याप्त रूप से दर्ज होने से रोकते हैं।

आभासी दुनिया बनाम परिवार

रीना सिंह कहती हैं कि आभासी दुनिया के भटकाव ने एक तरह से लोगों को उनके दोस्तों, परिवार और प्रियजनों से भी अलग किया है। एक शोध में पाया भी गया है कि 80 फीसदी माता-पिता तब भी अपना समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं, जब वे अपने बच्चों के साथ होते हैं। वहीं एक सर्वे में शामिल 69% लोग मानते हैं कि जब वे अपने स्मार्टफोन में डूबे होते हैं, तो वे अपने बच्चों, परिवेश व लोगों का ध्यान खो देते हैं, जिसका असर उनके रिश्ते पर हो रहा है। ऐसा नहीं होता, तो फोन से दूर होने पर किसी किशोर की आत्महत्या की खबर या इसके कारण पति-पत्नी में अलगाव की खबरें ना आतीं।

32 बार चांद पर जाने जैसा

अगर कहें कि अपने जीवनकाल में मोबाइल में मौजूद सोशल मीडिया ऐप्स पर बिताए गए समय में आप 32 बार चंद्रमा पर जा सकते हैं और वापस आ सकते हैं, तो यकीनन आपको हैरानी हो। लेकिन हैकरनून की रिपोर्ट में संभावना जताई गई है कि लोग अपने जीवन के 3 साल और 5 महीना खाने-पीने पर बिता रहे है,जो कि बेहद जरूरी है। वहीं जीवन के 5 साल और 4 महीने सोशल मीडिया पर बिता रहे हैं। जिसका अधिकतर हिस्सा गैर-जरूरी उद्देश्यों का है।

सेहत पर भारी ये लत

फोन से ज्यादा चिपकना सेहत को भी नुकसान पहुंचा रहा है। ब्रिटिश न्यूरोसाइकोलॉजिस्ट डॉ. अल्वारो बिलबाओ कहते हैं कि छह साल से कम उम्र के बच्चे के हाथ में मोबाइल देकर हम उनसे उनकी क्रिएटिविटी व बचपन की स्मृतियों को मन में संजोकर रखने की क्षमता भी छीन रहे हैं। इससे उनमें डिप्रेशन, अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। चौंकाने वाली खबर यह भी है कि 2050 तक लोग स्मार्टफोन्स का इस्तेमाल बंद कर देंगे। इसकी जगह इंटरफेस के जरिये इंसानी दिमाग को इंटरनेट से कनेक्ट किया जाएगा। मतलब, कॉल करना हो, खाना ऑर्डर करना हो, बस इस बारे में सोचिए और काम हो जाएगा। फिलहाल स्मार्टफोन के शिकंजे से अपने दिमाग को बाहर निकालने की जरूरत है। वरना हम टेलीपैथी टेक्नीक से पहले ही रोबोट में बदल जाएंगे।

डराते हैं ये आंकड़े

- 1.6 मिलियन दुर्घटनाएं होती हैं हर साल ड्राइविंग के दौरान मोबाइल के इस्तेमाल से।
- सोशल मीडिया, मैसेजिंग व मनोरंजन ऐप्स की वजह से लोगों का फोन पर बिताया गया समय 51% से ज्यादा हो गया है। वहीं 80 फीसदी मिलेनियल्स जागने के तुरंत बाद फोन देखते हैं।
- 56 फीसदी अमेरिकियों ने कहा कि यदि उनको 10% वेतन वृद्धि की पेशकश की जाए, तो भी वे एक महीने तक अपना फोन नहीं छोड़ सकते।
- मैकगिल यूनिवर्सिटी में न्यूरोबॉयोलॉजी के प्रो. ओलिवर हार्ड्ट कहते हैं कि एक बार जब आप अपनी मेमोरी का उपयोग करना बंद कर देंगे तो यह खराब हो जाएगी। मतलब जितना कम आप उन प्रणालियों का उपयोग करेंगे, जो संज्ञानात्मक लचीलेपन या एपिसोडिक यादों जैसी चीजों के लिए जिम्मेदार हैं, डिमेंशिया होने की आशंका उतनी ही अधिक होगी।
- एक अन्य शोध के अनुसार हमारा दिमाग तेजी से याद रखने की क्षमता खो रहा है, जिसे 'डिजिटल एमेंशिया' कहा जा रहा है, क्योंकि हम डेटा को याद रखने के लिए तकनीक पर निर्भर होते जा रहे हैं।

नींद को तवज्जो नहीं

शोधों की मानें तो फोन से निकलने वाली नीली रोशनी आपकी बॉडी क्लॉक को खराब कर देती है, जिससे अपने सामान्य समय पर भी सोना मुश्किल हो जाता है। दरअसल, यह प्रकाश नींद के लिए जिम्मेदार हार्मोन मेलाटोनिन को दबा देता है, जिससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

एक दिन बिना फोन के

- सोशल मीडिया की एक यूजर सारा लाफी बताती हैं कि जब उन्होंने फोन के बिना एक नया दिन शुरू करने का फैसला किया, तो पहले दिन बिना गूगल मैप के घर से बाहर निकलने में असहजता महसूस हुई। लेकिन उन्हें आश्चर्य हुआ कि वह बिना खोए अपने गंतव्य तक समय पर पहुंच गईं और हर दिन से ज्यादा काम किया और वह भी बिना विलंब किए।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन अपना फोन बंद करने का प्रयास करें और देखें कि आप इसके बिना पूरे दिन में क्या हासिल कर सकते हैं। शायद आप उन चीजों को देख पाएंगे जिन पर आपने पहले ध्यान नहीं दिया था। यहां तक कि इसके बिना अपना मनोरंजन करने के तरीकों के बारे में भी सोच पाएंगे।

ओटीटी में नया क्या

इंडियन पुलिस फोर्स

'गोलमाल', 'सिंघम', 'सिंबा' जैसी कई फिल्में बना चुके रोहित शेट्टी अब पुलिस फोर्स पर आधारित ये सिरीज लेकर आए हैं। इसमें दिल्ली पुलिस अधिकारी कबीर मलिक को एक ऐसे व्यक्ति से लड़ते दिखाया गया है, जिसने आतंकवाद का रास्ता चुना है। उनकी इस वेब सिरीज में न्याय की निरंतर खोज और कर्तव्य के दौरान किए गए बलिदानों को दिखाने की कोशिश की गई है। देखना दिलचस्प होगा कि रोहित इसमें और क्या कमाल करते हैं।

कहां देखें: अमेजन प्राइम, **कलाकार:** सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी, श्वेता तिवारी, शरद केलकर, **निर्देशन:** रोहित शेट्टी

कर्मा कॉलिंग

अपने पहले वेब शो 'अरण्यक' की सफलता के बाद रवीना टंडन एक और थ्रिलर सिरीज 'कर्मा कॉलिंग' के साथ वापस आई हैं। इसमें उन्होंने रानी इंद्राणी कोठारी की भूमिका निभाई है। इसमें कर्मा नाम की लड़की इंद्राणी से बदला लेना चाहती है, मगर क्यों वह इंद्राणी की खून की प्यासी है, इसके लिए सिरीज को देखना होगा।

कहां देखें: डिज्नी हॉटस्टार, **कलाकार:** रवीना टंडन, नम्रता शेठ, वरुण सूद, रोहित रॉय, गौरव शर्मा, विराफ पटेल, **निर्देशन:** रुचि नारायण

एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन

यह एक कमर्शियल ड्रामा तेलुगु फिल्म है, जो थिएटर के बाद ओटीटी पर हिंदी में भी रिलीज हुई है। इस फिल्म का मुख्य किरदार अभि (नितिन) एक महत्वाकांक्षी युवा है। वह एक जूनियर कलाकार के रूप में अपने अभिनय के पेशे को आगे बढ़ाता है। फिर वह अपनी प्रेमिका की कंपनी का सीईओ बन जाता है। पर, इस यात्रा में अभि कैसे बनता है एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन, यह देखना दिलचस्प होगा।

कहां देखें: डिज्नी+हॉटस्टार **निर्देशन:** वक्कनथम वामसी **कलाकार:** नितिन, श्रीलीला, रोहिणी, डॉ. राजशेखर, सुदेव नायर, राव रमेश, अजय, हर्षवर्धन।

हाय नन्ना

यह संवेदनशील रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें साउथ के हीरो नानी और मृणाल ठाकुर ने अभिनय किया है। फिल्म की कहानी के केंद्र में हैं सिंगल पिता और बेटी का रिश्ता। इसमें नानी को विराज के रूप में दिखाया गया है, जो अपनी बेटी से बेहद प्यार करता है। थिएटर के बाद ओटीटी पर इसे रिलीज किया गया है, जिसे आप हिंदी में भी देख सकते हैं।

कहां देखें: नेटफ्लिक्स **निर्देशन:** शौरयुव **कलाकार:** नानी, मृणाल ठाकुर, श्रुति हसन, कियारा खन्ना, अगंद बेदी

दैनिक बिहार पत्रिका में खबर प्रकाशित करवाने एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें - 9801716267

अजीब कैदी अजीब सजा

सन् 1888 की एक अलसाई भोर। फ्रांस की समुद्रतटीय सैरगाह सेंट एड्रेसे के निवासी अपने-अपने बिस्तरों पर आलस्य से लेटे हुए थे कि एक अत्यंत सनसनीखेज नृशंस हत्या के समाचार से वे कांप उठे।

आन्द्रे मोन नामक एक व्यापारी अपनी पत्नी के साथ छुट्टियां मनाने यहां आया था। सोने से पहले जरा तैर लिया जाए- यह सोचकर उसने अपना होटल छोड़ा था। वह लौटकर नहीं आया। और उस दिन तड़के डबल रोटी बांटने वाले एक लड़के को वह तट पर औंधा पड़ा मिला। उसके सिर में गोली का छेद था। फ्रांसीसी गुप्तचर-दल स्यूरते के पेरिस मुख्यालय को जब इसकी सूचना मिली, तब वह एकदम सक्रिय हो उठा। उसने अपने मंजे हुए गुप्तचर राबर्ट ल ब्रू को तुरंत एड्रेसे पहुंचकर अपराधी की खोज करने का तार दिया।

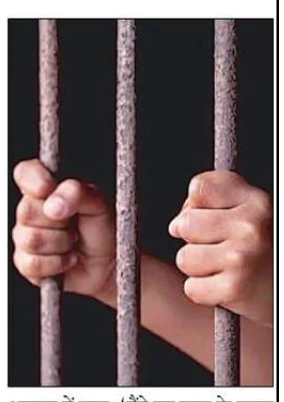

ल ब्रू स्यूरते का सबसे तरुण और तेज-तर्रार जासूस था। अपनी अनोखी सूझ-बूझ से उसने अपराधों की गुत्थियों को ऐसे सुलझाया था कि सभी भौचक्के रह गए थे। पर ल ब्रू स्वयं को बिलकुल ही प्रतिभावान नहीं समझता था। वह धीरज रखनेवाला और अध्यवसायी था। किसी मामले में भेजे जाने पर वह पूरे मकान के इंच-इंच फर्श को छान डालता था-यहां तक कि पिन, डोरे तक को नहीं छोड़ता था। इससे वह उकताता नहीं था। अपराध स्थल के पास मिले बटन के मालिक को खोज निकालने में वह घंटों लगा देता और इसी धैर्य के कारण वह हत्याओं की पेचीदगियों को सुलझाने में माहिर माना जाता था।

एड्रेस पहुंचने पर ल ब्रू पलभर के लिए सकते में आ गया। हजारों फ्रांक से भरा मोन का बटुवा उसके कपड़ों के साथ था। उसका कोई दुश्मन भी नजर नहीं आया। वह धनवान भी नहीं था और पत्नी के अलावा उसका कोई वारिस भी नहीं था। श्रीमती मोन ने होटल के बरामदे में लगभग ढाई बजे रात तक अपने पति का इंतजार किया था। मौत का कारण ढूंढ़नेवाले अफसर ने हत्या का समय दो बजे के लगभग बताया, इसलिए श्रीमती मोन निर्दोष करार दे दी गई।

आखिरकार, कुछ भी आगे न बढ़ पाने के कारण, ल ब्रू ने अपने अटल धैर्यवाले सामान्य तरीके को अपनाया। बाद में तमाम रात सेंट एड्रेसे की गलियों में घूमते हुए उसने गुजारी और सुबह होते ही वह पुलिस-हेडक्वार्टर्स में पेश हो गया।

उसने पुलिस अफसर से मरी-मरी आवाज में कहा, 'मैंने इस हत्या के रहस्य को सुलझा लिया है। यह रहा प्लास्टर का आकार-हत्यारे के पांव के निशान का, जब वह अपने शिकार के पीछे धीमे-धीमे जा रहा था। वह अपने पांव में मोजे पहने था। जरा गौर कीजिए, इस पांव के निशान के अनोखेपन के बारे में। यह बायें पैर का है और अंगूठे का आगे का भाग गायब है। आप देख रहे हैं न? इसमें कोई ताज्जुब नहीं कि यह उस आदमी के पांव का निशान हो जिसने आन्द्रे मोन की हत्या की।'

फिर ल ब्रू घुटनों के बल बैठ गया। उसने अपना बायां जूता उतारा और कहा, 'मैं ही वह हत्यारा हूं।'

उसे हिरासत में ले लिया गया और न्यायालय के सामने पेश किया गया। फिर चली फ्रांस के कानूनी इतिहास की अत्यंत सनसनीखेज दलील। उसके वकील ने डाक्टरी सबूतों से सिद्ध किया कि ल ब्रू केवल रात के समय ही खतरनाक था, जब उसकी अजीबोगरीब मानसिक बीमारी उस पर हावी हो जाती थी। दिन में वह दूसरे लोगों-जैसा ही सामान्य तथा समझदार था। वकील ने कहा, 'चूंकि ल ब्रू जब सोता है, तभी खतरनाक होता है। इसलिए, परमात्मा के नाम पर, क्या ऐसे आदमी को मार देना चाहिए?'

अंततः ल ब्रू को उम्रकैद की सजा सुना दी गई, पर यह बड़ी अजीब थी। दिनभर वह स्वतंत्र था, घूम-फिर सकता था, परंतु रात को उसे कैद के लिए खुद को पेश करना पड़ता था।

पूरे 51 वर्ष तक इस अजीब कैदी रॉबर्ट ल ब्रू ने इस अजीब कैद की सजा को भुगता। 1939 की एक रात वह इससे भी छूट गया, हमेशा-हमेशा के लिए।

-डॉ. भगवतीलाल शर्मा

वरुण के मजाक से सब परेशान

अवॉर्ड शो या बड़े-बड़े स्टेज शो में धमाल मचाते सितारों को देखकर अकसर लोगों के मन में यही खयाल आता है कि कैसे ये बिना नर्वस हुए इतनी भीड़ के सामने हंसते-हसंते डांस कर लेते हैं। तो आपके इसी सवाल का जवाब दे रहे हैं वरुण धवन

वरुण धवन के डांस और उनकी एक्टिंग को देखकर भले ही दर्शकों को कभी लगता नहीं कि उन्हें कभी परफॉर्मेंस के दौरान घबराहट होती होगी। पर, वास्तव में ऐसा है नहीं। अपने पहले स्टेज परफार्मेंस का दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए वरुण कहते हैं, 'मेरी पहली फिल्म के बाद मुझे एक अवॉर्ड शो में डांस करना था और जैसे ही स्टेज पर मेरे नाम की घोषणा हुई, मैं पूरे जोश के साथ स्टेज पर पहुंच तो गया, लेकिन उस वक्त बड़ी मुश्किल से मैं वहां पर डांस करने की हिम्मत जुटा रहा था। जैसे ही उस जगह पर पहुंचा, जहां से मुझे अपना पहला स्टेप शुरू करना था, मेरी नजर सामने बैठे सलमान खान पर पड़ गई। बस, फिर क्या था सारी हिम्मत उन्हें देखकर दम तोड़ गई। भाई उस वक्त मुझे सामने की कुर्सी से वो ऐसे देख रहे थे, जैसे मुझे नंबर देने वाले हों। मैंने खुद को संभाला और उन्हें नकली स्माइल देकर उनसे आंखें चुरा लीं। लेकिन जैसे ही मैंने डांस करना शुरू किया, किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण गाना बंद हो गया। ऐसे में मेरी बची-खुची हिम्मत भी उस वक्त कम हो गई। अब मैं करता तो क्या करता? एक तरफ भाई मुझे घूरे जा रहे थे, तो दूसरी ओर यह सोच कर मेरी हालत खराब थी कि पहली बार अवॉर्ड शो में डांस का मौका मिला और उसी में ही इज्जत का फलूदा न निकल जाए। हालांकि एक आर्टिस्ट की जिंदगी में ऐसा कई बार होता है, जब आप स्टेज पर परफॉर्म करने जाते हैं, लेकिन आप अंदर से बहुत डरे हुए होते हैं। लेकिन हमें अपने डर को झूठी मुस्कुराहट के पीछे छिपाना पड़ता है।'

आपको बता दें कि वरुण, बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान को अपना मेंटॉर मानते हैं। एक बार उन्होंने सलमान का एक परफार्मेंस देखने के लिए उनकी बहन अर्पिता से उधार में टिकट भी लिया था, ताकि उन्हें सल्लू के डांस की एक झलक देखने को मिल जाए।

जाह्नवी की खिंचाई

वरुण धवन के साथ जो भी को-स्टार काम करता है, वह उनके मजाक से परेशान रहता है। कुछ ऐसा ही हुआ जब वरुण धवन ने जाह्नवी कपूर की उम्र का मजाक बनाते हुए कहा कि वो तब सिर्फ चार साल की थी, जब उन्हें पहले अवॉर्ड शो में जाने का मौका मिला। असल में वरुण ने, जाह्नवी की उम्र का मजाक इसलिए बनाया, क्योंकि वो अकसर अपनी उम्र कम बताती हैं। जाह्नवी की डाइट का मजाक बनाते हुए वरुण ने यह भी कहा था कि जब भी वो उन्हें देखते हैं, वो कुछ न कुछ खा रही होती हैं। लेकिन इंटरव्यू में हमेशा कहती हैं कि वो डाइट पर हैं।

अवॉर्ड करते हैं प्रेरित

भले ही बॉलीवुड के कई सितारे अकसर यह कहते हुए सुने जाते हैं कि उनके लिए उनका काम और दर्शक ही खास मायने रखते हैं, कोई अवॉर्ड नहीं। लेकिन वरुण धवन की बातों से तो लगता है कि जो लोग भी ऐसा कहते हैं, वो वही होते हैं जिनके लिए अंगूर खट्टे होते हैं। मतलब, जिन्हें अवॉर्ड मिलता नहीं। इसलिए वे ऐसा बोलते हैं।

बकौल वरुण, 'भले ही एक कलाकार के लिए फिल्म की कमाई ज्यादा महत्वपूर्ण है, लेकिन पुरस्कार उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित करता है। मतलब, पुरस्कार चाहे छोटा हो या बड़ा, मुझे उसे पाकर बहुत खुशी मिलती है। जब भी मुझे कोई अवॉर्ड मिलता है, तो लगता है कि मेरी मेहनत सफल हुई, जो मैंने उस प्रोजेक्ट के लिए की। मेरे खयाल से अवॉर्ड एक ऐसा सर्टिफिकेट होता है, जो आप पर मोहर लगा देता है कि आपके अभिनय को सराहा जा रहा है। आप जब थक-हार कर घर आते हैं और अपने अवॉर्ड को देखते हैं, तो सारी थकान दूर हो जाती है। मैं बता नहीं सकता, लेकिन इससे एक अलग ही खुशी मिलती है।'

नीलम कोठारी बडोनी

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267